

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

T 229

नई विल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 3, 1992/चेन्न 14, 1914

No. 229]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 3, 1992/CHAITRA 14, 1914

इ.स. अ.ध में भिम्म पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के रूप में रखा जा सर्वे \

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## लोकसमा सचिवालय

## प्रधिसूचना

नई विन्ली, 3 मप्रैल, 1992

का. प्रा. 260(प्र) — स्थायकीश (जीच) प्रधिनियम, 1968 के नियम 9(2)(ग) के उपबन्धों के झन्त-गैंत लोक सभा फ्रम्थल ने समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने की भग्निध 31 जुलाई, 1992 तक बढ़ा दी है, यह समिति उन कारणों की जांच करने के लिए गठिस की गई थी। जिनके झाधार पर भारत के उच्चतम न्यायालय के स्यायमृति श्री बी. शमास्थामी की हटाये जाने के लिए प्रार्थमा की गई है।

> [सं. 70/1/सी 1/91] जी.एल. बन्ना, शपर सचिव

## LOK SABHA SECRETARIAT

## NOTIFICATION

New Delhi. the 3rd April, 1992

S.O. 260(E):—Under Proviso to rule 9(2)(c) of the Judges (Inquiry) Act, 1968, the Speaker, Lok Sabha has extended the time for submission of the Report upto 31st July, 1992 by the Committee constituted for the purpose of making an investigation into the grounds on which the removal of Justice V. Ramaswami of the Supreme Court of India is prayed for.

[No. 70|1|C1|91]

G. L. BATRA, Addl. Secy.